

12 **द्वेन्दु-20 : आयथी आठ टीमो वरुओ अरामरीनो भेल**

14 **गुलामनलीओ मंडिर परिसरमा मडान लांठी दीवु**

16 **भाषपनी पालभिनरी ओड सडित कमिटीओली डुंमकां जहैरत**

Website: www.sandesh.com

वि. सं. २०१३, भाद्रपदा सुद-५ | संवत्सरी तंत्री : २५, श्री धीमनभाई ओस. पटेल | आभुति : अमदावाए | वडोदरा | सुरत | रायकोट | भावनगर | REG NO. GAMC-26 RNI REG NO. 1584/57 | Valid up to 31-12-2008 | रविवार १६ सप्टेम्बर, २००६ | ३१.३-०० पानां : २४



● अमेरिकाली प्यातनाम वेट शो होस्ट ओमोह विन्डेओ यार पाओला कुतरा माटे वसियतमां ३१.९.२ खलपनी रुक छोडी छे अने पोते हयात न होय ल्यासे तेमनी संभाल रमाय ते माटे ओड ट्रस्ट ईड पण रच्छु छे।



अज्ञान के अंधकार को दूर कर के ज्ञान का प्रकाश फेलाने में लगा ये आंदोलन जंगलो और पहाडों में बसे वनवासी बच्चों, ग्रामजनों एवं शहरीजनों में श्री ऋषिजी के माध्यम से ज्ञान का प्रसार कर रहा है। आइये ज्ञान की ज्योति से राष्ट्र को स्वस्थ, स्वच्छ, साक्षर, सुंदर, समृद्ध, शांत, शाकाहार और सुसंस्कृत बनाने की इस पहल में हम भी सरीक हो।

■ श्री नारायणदत्त तिवारी - उत्तरांचल ■ श्री सत्पालजी महाराज - उत्तरांचल

विश्व धर्म The Quality Life

ये एक तरंग है, नेत्रुल करता उस आंदोलन का जो बदल दे भाय राष्ट्र का, एक शक्ति जो जन साधारण में जाकर निर्मित करती है एक पवित्रता, एक चिन्मारी जिसने जगदी है मुक्ति की ज्वाला, जिसका उद्देश है भारत का गौरव बढ़ाना और पौष्टिका आंसू भारत माता के, आज उन के दिल में है एक संकल्पना... जिसने अनगिनित, वंचित और उपेक्षित लोगों के भविष्य को बदला, जिसने हजारों ग्रामीणों और शहरीजनों को जीवनशैली को बदला, जिसने ग्रामीण भारत को समर्थ बनाया. एक संकल्पना... जिसने सुसंस्कृत राष्ट्र निर्माण के लिये प्रतिबद्ध प्रयास शुरु किया, ये संकल्पना है ऋषिजी की।

ऋषिजी ने कहा,
"यदी आदर्श राष्ट्र का निर्माण करना होगा तो एक क्रांति और करनी होगी" आधुनिक भारत में ऋषिजी के संकल्प की जड़ों की फेलने की शुरुआत सन 2003 में हुई। लेकिन उसकी वास्तविक जड़ें प्राचीन भारत की गुरुकुल परंपरा में है। हमारी परंपरा के अनुकूल ऋषिजी का ये आंदोलन सुसंस्कृत राष्ट्र निर्माण करने का नम्र प्रयास करता है।

इस संकल्पना के अंतर्गत भारत के दूरदराज इलाकों में ऋषिजी के प्रवचन के माध्यम से ग्रामीणों और शहरीजनों को गुणवत्तामय जीवन के प्रति सजाग बनाना है। गुणवत्तामय जीवन ही ऋषिजी का मूल उद्देश है। मिशन के कार्यकर्ता अब जान चुके हैं कि इस कार्य को संपन्न करने में वे अकेले नहीं हैं, वे जानते हैं कि उन्हें एक शक्तिशाली राष्ट्र का निर्माण करना है, वे जानते हैं कि उन्हें एक शक्तिशाली और सकारात्मक अकेले जिम्मेदार को समज लिया था कि, वर्तमान व्यवस्था प्रणाली उनके उद्देश को पूरा नहीं कर पायेगी। उन्होंने उस बात को समजा की गुणवत्तामय जीवन ही एक उपाय है। और सरकार को अकेले जिम्मेदार नहीं ठहरया जा सकता। जसुरत थी समाज को सशक्त और उत्तरदायी बनाने की, ताकि वे ज्ञान की क्षमता को महसूस कर सकें। इस आंदोलन में एक सुनियोजित कार्यनिति के तहत इस चुनौती को स्वीकार किया।

गुणवत्तामय जीवन का एक नया स्वरूप उभरकर सामने आया, जिसके आठ प्रमुख घटक हैं। स्वस्थ विश्व, स्वच्छ विश्व, साक्षर विश्व, सुंदर विश्व, समृद्ध विश्व, शांत विश्व, शाकाहार विश्व और सुसंस्कृत विश्व। इस योजना के तहत मिशन के कार्यकर्ता के साथ-साथ प्रत्येक गांव और शहर के लिये एक आरोग्य सेविका भी तैयार की जाती है। वे आधारभूत स्वच्छता और प्राथमिक उपचार के विस्तृत तरीके भी शीखाती हैं। कई गांवों में इस प्रणाली को सार्थकता को निरंदेश प्रमाणित किया है। ऋषिजी के आंदोलन की शुरुआत के बाद ग्रामीणों ने एक विद्यालय की स्थापना की, गांव में अस्पताल, छात्रावास, अच्छी सड़कें, बीजली की सुविधा और उन्नत कृषि सुविधाएं मौजूद हैं। मानव सेवा ही सर्वशक्तिमान इश्वर की सच्ची उपासना है। महिलाएं और बच्चों का पुनरोत्थान करना ही ऋषिजी का मुख्य लक्ष्य है। ऋषिजी के माध्यम से चलता ये आंदोलन ने एक लंबी यात्रा की है। यात्रा नये कल की ओर, देखिये भविष्य की ओर... बढ़ते हुए ये कदम,



द्रढ निश्चय, समर्थ और निडर ये हे हमारा कल। आइए एक उपेक्षित का हाथ धामें, ऋषिजी के संकल्प को समर्थन दीजिये। आगे बढ़िये, एक उपेक्षित आप की प्रतीक्षा कर रहा है। उसे अपनाइये। ऋषिजी की इस साहस गाथा में इन के सहभागी बनें। हो चुका है ऋषिजी का आगमन सहमत हो या असहमत किन्तु, आप इस आंदोलन को उपेक्षा नहीं कर सकते। वे आये एक लहर बनकर। उन पवित्र आत्माओं के पद चिह्न पर चलते हुए जिनमें स्वस्थ, शिक्षित और स्वावलंबी भारत के निर्माण की कल्पना शक्ति थी। ऋषिजी ने 2011 तक भारत को एक विश्वगुरु के रूप में कल्पना की है। और महान कर्तव्यनिष्ठ सुसंस्कृत राष्ट्र निर्माण के प्रेरक है हमारे ऋषिजी, हमें याद है उनके वचन पूर्ण विजय संकल्प हमारा। भारतमाता के हजारों से अधिक योद्धा एक साथ, एक उद्देश के लिये, उन्हें एक वचन निभाना है। संकल्प सत्र में एक प्रतिज्ञा ली है उसे जताना है, राष्ट्र और समाज की सेवा हमारा कर्तव्य है। हम भावना के सूत्र में बंधे हैं। संकल्प के धागे से।

'क्वॉलिटी लाईफ' के जनक क्रांतिकारी विश्व संत श्री ऋषिजी

वे विश्व के सुखवालों के आध्यात्मिक रूप से संगठित सबसे बड़े नेटवर्क के मुखिया हैं, क्योंकि वे क्वॉलिटी लाईफ मंत्र के जनक हैं। उनके क्वॉलिटी लाईफ मंत्र से विश्व भर में बदलाव आया है। उनका साम्राज्य विश्व भर में फैला हुआ है, क्योंकि आध्यात्मिक जगत के सबसे प्रभावी स्वामी जिनके अनुयायियों को संख्या दुनिया भर में ढाई करोड़ से अधिक हैं। वे विश्व के मूल्यवान ब्रांड हैं, क्योंकि उनका कार्यवाही ब्रांड ऐसा है जिस पर विश्व आँख मूंदकर धरोसा करता है। वे संदेव गरिमा की मूर्ति हैं, क्योंकि वे भारतीय आध्यात्मिकता के पर्याय वाची हैं। वे भड़कोले लोगों के गुरु हैं, क्योंकि मीडिया पब्लिक से लेकर जहाज निर्माता, मुख्यमंत्रियों से लेकर प्रधामंत्रियों तक सब उनके समागम में शामिल होते हैं। वे विश्व के राजनैतिक श्रेष्ठ वर्गों को निर्देशित करनेवाली अदृश्य शक्ति हैं, क्योंकि वे आध्यात्मिक उद्योग में सबसे तेजी से बढ़ते उद्यम के प्रमुख हैं। उनकी क्रांतिकारी योजना रमणवा नृष्ठा सावित्री हो सकती है। वे नई सहस्राब्दी के मनोहारी कृष्ण योगी हैं।

विश्व संत श्री ऋषिजी
पूर्व नाम : श्री ऋषि पटेल
जन्म तिथि : 01 जनवरी
माता-पिता : महिला रत्न श्रीमती हंसबाई एवं श्रेष्ठश्रावक श्री नारुभाई पटेल
शिक्षा : पी.एस.सी., एम.बी.ए.
लेखन : गुजराती, हिन्दी
प्रख्याति : क्रांतिकारी विश्व संत
मुख्य पत्र : "प्रतिध्वनि" मासिक
साहित्य : "प क्वालिटी लाइफ" पर आधारित लाखों प्रतियों का प्रकाशन।
प्रणेत : "प क्वालिटी लाइफ"
पहचान : विश्व में सर्वाधिक पढ़े और पढ़े जाने वाले पत्र दिल और दिमाग को झकझोर कर देने वाले अदृश्य प्रखरन। अपनी नायाब प्रवचन शैली के लिये विश्वभर में सर्वाधिक चर्चित और विश्व संत ऋषिजी के रूप में पहचान।
मिशन : "प क्वालिटी लाइफ" का विश्व व्यापी प्रचार-प्रसार एवं प्रशिक्षण।

कुछ निर्माण करो। कुछ नया इस जगत में लाओ, जो नहीं था। फिर चाहे विज्ञान के द्वारा लाओ, चाहे संगीत के द्वारा, चाहे आध्यात्मिकता के द्वारा, मगर इस जगत को स्वस्थ, स्वच्छ, साक्षर, सुंदर, समृद्ध, शांत, शाकाहार और सुसंस्कृत बनाओ।

तया कच्छी है हरितयाँ...
ऋषिजी स्पष्ट वक्ता हैं। सीधे चलते हैं और सीधा बोलते हैं। एसी विभूती युगो में मिलती हैं, एसा महामानव जो छू देता है, वही सोना बन जाता है।

■ **दिग्विजय सिंह** : मध्यप्रदेश ऋषिजी के विचारों में क्रांतिकारी परिवर्तन और रूपांतर की अद्भुत झलक है। ऋषिजी जैसे संत किसी एक समाज में नहीं होते, वे तो पूरे भारत की धरोहर हैं।

■ **शीला विश्वित** : दिल्ली ऋषिजी के प्रवचन गले से नहीं प्राणों से फूटते हैं, वे जब भी बोलते हैं तो लगता है उनका रम-राम बोल रहा है।

■ **मुलायम सिंह यादव** : यु.पी. ऋषिजी को किसी जाति और संप्रदाय से नहीं बांधा जा सकता, वे सब के लिए ब्रह्मदेव हैं।

■ **एन.डी. तिवारी** : उत्तरांचल रुढ़ियों के खिलाफ खड़े होना कोई मामूली बात नहीं है और ऋषिजी ने रुढ़ियों के खिलाफ गजब की क्रांति खड़ी कर दी है।

■ **अशोक गेहलोत** : राजस्थान

विश्व संत श्री ऋषिजी क्रांतिधर्मी क्यों ?

ऋषिजी हमारे युग के संबुद्ध रहस्यदर्शी हैं, जो अपने क्रांतिकारी विचारों के कारण दुनिया में सर्वाधिक चर्चित हैं। उनके जीवन दर्शन के अनुसार मनुष्य जाति को विनाश से बचाने का अब एक ही उपाय बचा है, मनुष्य ध्यान की ओर उन्मुख हो। उसका एक-एक पल आनंद पूर्ण हो, उत्सव पूर्ण हो। पवित्र्य का नया मनुष्य भौतिक समृद्धि तथा आंतरिक समृद्धि दोनों में सामंजस्य बनाये, तभी वह एक पूर्ण मनुष्य हो सकेगा। आज तक अनेक संत हुए इस राष्ट्र में। लेकिन विश्व संत कोई नहीं हुआ। विश्व संत होने के लिये जरूरत है एक विशेष आग की। वह आग जो समाज की विषमताओं और विसंगतियों को जलाकर राख कर दे। अब क्यों बाद राष्ट्र को अग्रिम संत श्री ऋषिजी की शक्ति में वह आग मिली है। जब 14 वर्ष की अल्पयु में उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त कर लिया था, तब कौन यह कल्पना कर पाया था कि यह बालक आगे चलकर अपने क्रांतिकारी विचारों से समूचे राष्ट्र को झकझोर कर रख देगा। इस क्रांतिधर्मी अग्नि पुरुष ने एक लम्बा सफर तय किया है। आज यह अग्नि शलाका पुरुष अपनी प्रसिद्धि की परकाष्ठा पर है और जन-जन के मन मस्तिष्क पर बैठे ऋषिजी एक ऐसे संत हैं, जिन्होंने अपने शब्द बाण से विश्व विचार सागर में कोटिः तरो छोड़ी है।

उन तरंगों ने उठे हुए पानी में ज्वार पैदा किया है, उन्होंने लाखों लोगों के मस्तिष्क को संकृत कर दिया है। अंधकार में रह से भटके लोगों को निंदा से जगाकर उनको भीतर के नारायण से साक्षात्कार करवाया है। अपनी क्रांतिकारी विचारधारा और कार्यों के कारण विश्व संत के नाम से विख्यात ऋषिजी ने धर्म और समाज को चहुँमुखी उन्नति के लिये परम्परागत तोड़कर भी अनेक ऐसे कार्य किये हैं जिनके दूरगामी सुखद परिणाम नजर आ रहे हैं। इस कार्य को क्रांतिकारी व्यक्तित्व वाला कोई संत ही बेहतर ढंग से कर सकता है। अपने शब्दों की पैनी धार से मिथ्या मान्यताओं एवं परम्पराओं को खंड-खंड करके रख दिया है।

विश्व संत के चिंतन में जहां एक ओर वैचारिक क्रांति की अनुगूंज है, वहीं दूसरी ओर इंसान की जिन्दगी को खुबसूरत और सुखद बनाने की आत्मीय प्रेरणा भी है। हां, आज ऋषिजी बाजार और चौगहे पर खड़े हो गये हैं, ताकि आज के विसंगति भरे समाज को एक नई दिशा दिखा सकें। समाज का नूतन निर्माण के लिये ऋषिजी जैसे क्रांतिधर्मी तथा समाज दिग्दर्शकों की महती आवश्यकता है। इसमें अभिनव प्राण फूंकने के लिये हमें ऐसे ही संत चाहिए। ऋषिजी भारत और विश्व के विभिन्न प्रान्तों में प्रवचन देते हैं। उनके लेखन और प्रवचन के माध्यम से हजारों लोगो का जीवन परिवर्तित हुआ है।



॥ वंदे महापुरुष ते चरणारविंदम् ॥

ऋषिपंचमीना पावन दिने सप्तऋषिओने शतः शतः प्रशाम संदेश परिवार

शब्दोः श्री प्रभुम स्वामी, श्री श्री रविशंकर, श्री रामदेवपुत्र महाराज, श्री आसाराम जायु, श्री मोरारीजायु, श्री रमेशभाई ओजरा तथा क्रांतिकारी विश्वसंत श्री ऋषिजी

वैथिक स्तर पर सर्वाधिक पढ़े और सुने जाने वाले क्रांतिकारी विश्व संत श्री ऋषिजी का पढ़नीय साहित्य

क्रांतिकारी विश्व संत श्री ऋषिजी ने संसार भर के निराश युवाओं में अपनी लेखनी और प्रवचन से आशा का संचार कर उन्हें नया जीवन प्रदान किया है। उनके लिखे प्रगति कारक साहित्य को पढ़कर हजारों युवक-युवतियों ने निराशा को त्यागकर सफलता की उच्चतम बुलन्दियों को छुआ है - फिर आप पीछे क्यों रहें ? ऋषिजी के पुस्तक और प्रवचन आपके लिये बेहतर नैपथ्य लाईन है - पढ़ें, सुनें और पाएं संसार की हर खुशी।

■ परेश गुलागी - चेरस्वनेनः आई श्री पब्लिकेशन



राजस्थान पत्रिका

पृष्ठ: १४ मूल्य: २.७५ रुपये

पेज 11

इरपी अवार्ड समारोह में केट वाल्टा

बांग्लादेश के विदेश सचिव भारत यात्रा पर

पेज 11



अज्ञान के अंधकार को दूर कर के ज्ञान का प्रकाश फेलाने में लगा ये आंदोलन जंगलो और पहाडों में बसे वनवासी बच्चों, ग्रामजनों एवं शहरीजनों में श्री ऋषिजी के माध्यम से ज्ञान का प्रसार कर रहा है। आइये ज्ञान की ज्योति से राष्ट्र को स्वस्थ, स्वस्थ, साक्षर, सुंदर, समृद्ध, शांत, शाकाहार और सुसंस्कृत बनाने की इस पहल में हम भी सरीक हो।

विश्व धर्म

The Quality Life

ये एक तरंग है, नेत्रुत्व करता उस आंदोलन का जो बदल दे भाग्य राष्ट्र का, एक शक्ति जो जन साधारण में जाकर निर्मित करती है एक पवित्रता, एक चिनगारी जिसने जगदी है मुक्ति की ज्वाला, जिसका उद्देश्य है भारत का गौरव बढाना और पौष्टिका आंसू भारत माता के, आज उन के दिल में है एक संकल्पना... जिसने अनगिनित, वंचित और उपेक्षित लोगों के भविष्य को बदला, जिसने हजारों ग्रामीणों और शहरीजनों की जीवनशैली को बदला, जिसने ग्रामीण भारत को समर्थ बनाया. एक संकल्पना... जिसने सुसंस्कृत राष्ट्र निर्माण के लिये प्रतिबद्ध प्रयास शुरू किया, ये संकल्पना है ऋषिजी की।

ऋषिजी ने कहा,
"यदी आदर्श राष्ट्र का निर्माण करना होगा तो एक क्रांति और करनी होगी" आधुनिक भारत में ऋषिजी के संकल्प की जड़ों की फेलने की शुरुआत सन २००३ में हुई। लेकिन उसकी वास्तविक जड़ें प्राचीन भारत की गुरुकुल परंपरा में है। हमारी परंपरा के अनुकूल ऋषिजी का ये आंदोलन सुसंस्कृत विश्व निर्माण करने का नम्र प्रयास करता है।

इस संकल्पना के अंतर्गत भारत के दूरदराज इलाकों में ऋषिजी के प्रवचन के माध्यम से ग्रामीणों और शहरीजनों को गुणवत्तामय जीवन के प्रति सजाग बनाना है। गुणवत्तामय जीवन ही ऋषिजी का मूल उद्देश्य है। मिशन के कार्यकर्ता अब जान चुके हैं कि इस कार्य को संपन्न करने में वे अकेले नहीं हैं, वे जानते हैं कि उन्हें एक शक्तिशाली राष्ट्र का निर्माण करना है, वे जानते हैं कि उन्हें ज्ञान और सेवा की ज्योति जगाये रखनी होगी। ऋषिजी ने अपने आपको भगवान के रूप में रुपांतरित कर दिया है। ज्ञान के मंदिर के रूप में। ऋषिजी ने बहुत पहले ही इस बात को समझ लिया था कि, वर्तमान व्यवस्था प्रणाली उनके उद्देश्य को पूरा नहीं कर पायेगी। उन्होंने उस बात को समझा की गुणवत्तामय जीवन ही एक उपाय है। और सरकार को अकेले जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। जसुरत थी समाज को सशक्त और उत्तरदायी बनाने की, ताकि वे ज्ञान की क्षमता को महसूस कर सकें। इस आंदोलन में एक सुनियोजित कार्यनिति के तहत इस चुनौती को स्वीकार किया।

गुणवत्तामय जीवन का एक नया स्वरूप उभरकर सामने आया, जिसके आठ प्रमुख घटक हैं। स्वस्थ विश्व, स्वच्छ विश्व, साक्षर विश्व, सुंदर विश्व, समृद्ध विश्व, शांत विश्व, शाकाहार विश्व और सुसंस्कृत विश्व। इस योजना के तहत मिशन के कार्यकर्ता के साथ-साथ प्रत्येक गांव और शहर के लिये एक आरोग्य सेविका भी तैयार की जाती है। वे आधाभूत स्वच्छता और प्राथमिक उपचार के विस्तृत तरीके भी शीखाती हैं। कई गांवों में इस प्रणाली की सार्थकता को निरंदेश प्रमाणित किया है। ऋषिजी के आंदोलन की शुरुआत के बाद ग्रामीणों ने एक विद्यालय की स्थापना की, गांव में अस्पताल, छात्रावास, अच्छी सड़कें, बीजली की सुविधा और उन्नत कृषि सुविधाएं मौजूद हैं। मानव सेवा ही सर्वशक्तिमान इश्वर की सच्ची उपसना है। महिलाएं और बच्चों का पुनरोत्थान करना ही ऋषिजी का मुख्य लक्ष्य है। ऋषिजी के माध्यम से चलता ये आंदोलन ने एक लंबी यात्रा की है। यात्रा नये कल की ओर, देखिये भविष्य की ओर... बहुत दूर ये कदम,



द्रष्ट निश्चय, समर्थ और निडर ये हे हमारा कल। आइए एक उपेक्षित का हाथ थामें, ऋषिजी के संकल्प को समर्थन दीजिये। आगे बढ़िये, एक उपेक्षित आप की प्रतीक्षा कर रहा है। उसे अपनाइये। ऋषिजी की इस साहस गाथा में इन के सहभागी बनें। हो चुका है ऋषिजी का आगमन सहमत हो या असहमत किन्तु, आप इस आंदोलन को उपेक्षा नहीं कर सकते। वे आये एक लहर बनकर। उन पवित्र आत्माओं के पद चिह्नों पर चलते हुए जिनमें स्वस्थ, शिक्षित और स्वावलंबी भारत के निर्माण की कल्पना शक्ति थी। ऋषिजी ने २०११ तक भारत की एक विश्वगुरु के रूप में कल्पना की है। और महान कर्तव्यनिष्ठ सुसंस्कृत राष्ट्र निर्माण के प्रेरक है हमारे ऋषिजी, हमें याद है उनके वचन पूर्ण विजय संकल्प हमारा। भारतमाता के हजारों से अधिक योद्धा एक साथ, एक उद्देश्य के लिये, उन्हें एक वचन निभाना है। संकल्प सत्र में एक प्रतिज्ञा ली है उसे जताना है, राष्ट्र और समाज की सेवा हमारा कर्तव्य है। हम भावना के सूत्र में बंधे हैं। संकल्प के धागे से।

'क्वॉलिटी लाइफ' के जनक

क्रांतिकारी विश्व संत श्री ऋषिजी

वे विश्व के सुखवालों के आध्यात्मिक रूप से संगठित सबसे बड़े नेटवर्क के मुखिया हैं, क्योंकि वे 'क्वॉलिटी लाइफ' मंत्र के जनक हैं। उनके क्वॉलिटी लाइफ मंत्र से विश्व भर में बदलाव आया है। उनका साम्राज्य विश्व भर में फैला हुआ है, क्योंकि आध्यात्मिक जगत के सबसे प्रभावी स्वामी जिनके अनुयायियों को संख्या दुनिया भर में हार्द करेडू से अधिक है। वे विश्व के मूल्यवान ब्रांड हैं, क्योंकि उनका कार्यकारी ब्रांड ऐसा है जिस पर विश्व अंध भ्रूकर धरोसा करता है। वे सर्वव्यवहार का मूल हैं, क्योंकि वे भारतीय आध्यात्मिकता को पर्याय वाची हैं। वे भड़कोले लोगों के गुरु हैं, क्योंकि मीडिया मालिक से लेकर जहाज निर्माता, मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक सब उनके समागम में सामिल होते हैं। वे विश्व के राजनैतिक श्रेष्ठ वर्गों की निरंदेश करनेवाली अदृश्य शक्ति हैं, क्योंकि वे आध्यात्मिक उद्योग में सबसे तेजी से बढ़ते उद्यम के प्रमुख हैं। उनकी क्रांतिकारी योजना रमणाय नृच्छा साहित्य हो सकती है। वे नई सहस्राब्दी के मनोहारी कृष्ण योगी हैं।

विश्व संत श्री ऋषिजी
पूर्व नाम : श्री ऋषि पटेल
जन्म तिथि : ०१ जनवरी
माता-पिता : महिला रम श्रीमती हंसबा एवं श्रेष्ठ श्यामक श्री नानु भाई पटेल
शिक्षा : बी.एस.सी., एम.पी.ए.
लेखन : गुजराती, हिन्दी
प्रख्याति : क्रांतिकारी विश्व संत
मुख्य पत्र : "प्रतिध्वनि" साहित्य
साहित्य : "ध क्वालिटी लाइफ" पर आधारित लाखों प्रतियों का प्रकाशन।
प्रणेत : "ध क्वालिटी लाइफ"
पहचान : विश्व में सर्वाधिक सुने और पढ़े जाने वाले विश्व संत और विमल प्राणियों के लिये विश्वभर में सर्वाधिक चर्चित और विश्व संत ऋषिजी के रूप में पहचान।
मिशन : "ध क्वालिटी लाइफ" का विश्व व्यापी प्रचार-प्रसार एवं प्रशिक्षण।

कृष्ण निर्माण करो। कुछ नया इस जगत में लाओ, जो नहीं था। फिर चाहे विज्ञान के द्वारा लाओ, चाहे संगीत के द्वारा, चाहे आध्यात्मिकता के द्वारा, मगर इस जगत को स्वस्थ, स्वच्छ, साक्षर, सुंदर, समृद्ध, शांत, शाकाहार और सुसंस्कृत बनाओ।

विश्व संत श्री ऋषिजी क्रांतिधर्मी क्यों ?

ऋषिजी हमारे युग के संबुद्ध रहस्यदर्शी हैं, जो अपने क्रांतिकारी विचारों के कारण दुनिया में सर्वाधिक चर्चित हैं। उनके जीवन दर्शन के अनुसार मनुष्य जाति को विनाश से बचाने का अब एक ही उपाय बचा है, मनुष्य ध्यान की ओर उन्मुख हो। उसका एक-एक पल आनंद पूर्ण हो, उत्सव पूर्ण हो। पवित्र्य का नया मनुष्य भौतिक समृद्धि तथा आंतरिक समृद्धि दोनों में सामंजस्य बनाये, तभी वह एक पूर्ण मनुष्य हो सकेगा। आज तक अनेक संत हुए इस राष्ट्र में। लेकिन विश्व संत कोई नहीं हुआ। विश्व संत होने के लिये जरूरत है एक विशेष आग की। वह आग जो समाज की

विषमताओं और विसंगतियों को जलाकर राख कर दे। अब वर्षों बाद राष्ट्र को अप्रीतम संत श्री ऋषिजी की शक्ति में वह आग मिली है। जब १४ वर्ष की अल्पायु में उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त कर लिया था, तब कौन यह कल्पना कर पाया था कि यह बालक आगे चलकर अपने क्रांतिकारी विचारों से समूचे राष्ट्र को झकझोर कर रख देगा। इस क्रांतिधर्मी अग्नि पुरुष ने एक लम्बा सफर तय किया है। आज यह अग्नि शलाका पुरुष अपनी प्रसिद्धि की परकाष्ठा पर है और जन-जन के मन मस्तिष्क पर बैठे ऋषिजी एक ऐसे संत हैं, जिन्होंने अपने शब्द बाण से विश्व विचार सागर में कोटिशः तरंगे छोड़ी है।

उन तरंगों ने उठे हुए पानी में ज्वार पैदा किया है, उन्होंने लाखों लोगों के मस्तिष्क को झंकृत कर दिया है। अंधकार में रह से भटके लोगों को निंदा से जगाकर उनको भीतर के नागयण से साक्षात्कार करवाया है। अपनी क्रांतिकारी विचारधारा और कार्यों के कारण विश्व संत के नाम से विख्यात ऋषिजी ने धर्म और समाज को चहुँमुखी उन्नति के लिये परम्पराएं तोड़कर भी अनेक ऐसे कार्य किये हैं जिनके दूरगामी सुखद परिणाम नजर आ रहे हैं। इस कार्य को क्रांतिकारी व्यक्तित्व बाला कोई संत ही बेहरार हंग से कर सकता है। अपने शब्दों की पैनी धार से मिथ्या मान्यताओं एवं परम्पराओं को खंड-खंड करके रख दिया है।

विश्व संत के चित्त में जहाँ एक ओर वैचारिक क्रांति की अनुगूंज है, वहीं दूसरी ओर ईमान की जिन्दगी को खूबसूरत और सुखद बनाने की आत्मीय प्रेरणा भी है। हां, आज ऋषिजी बाजार और चौहारे पर खड़े हो गये हैं, ताकि आज के विसंगति भरे समाज को एक नई दिशा दिखा सकें। समाज का नूतन निर्माण के लिये ऋषिजी जैसे क्रांतिधर्मी तथा समाज दिग्दर्शकों की महती आवश्यकता है। इसमें अविचल प्राण फूंकने के लिये हमें ऐसे ही संत चाहिए। ऋषिजी भारत और विश्व के विभिन्न प्रांतों में प्रवचन देते हैं। उनके लेखन और प्रवचन के माध्यम से हजारों लोगों का जीवन परिवर्तित हुआ है।



॥ वंदे महापुरुष ते चरणारविंदम् ॥

गुरुपूर्णिमा के पावन दिवस पर सप्तऋषिको शतः शतः प्रणाम

पत्रिका

बायेंसे : श्री प्रमुख स्वामी, श्री श्री रविशंकरजी, श्री रामदेवजी, श्री आसारामजी, श्री मोरारीबापु, श्री रमेशभाई ओझा और क्रांतिकारी विश्वसंत श्री ऋषिजी

वैश्विक स्तर पर सर्वाधिक पढ़े और सुने जाने वाले क्रांतिकारी विश्व संत श्री ऋषिजी का पढ़नीय साहित्य

क्रांतिकारी विश्व संत श्री ऋषिजी ने संसार भर के निराश युवाओं में अपनी लेखनी और प्रवचन से आशा का संचार कर उन्हें नया जीवन प्रदान किया है। उनके लिखे प्रगति कारक साहित्य को पढ़कर हजारों युवक-युवतियों ने निराशा को त्यागकर सफलता की उच्चतम बुलन्दियों को छुआ है - फिर आप पीछे क्यों रहें ? ऋषिजी के पुस्तक और प्रवचन आपके लिये बेहतरीन हेल्प लाईन है - पढ़ें, सुनें और पाएं संसार की हर खुशी।

■ परेश नुताणी - चेयरमैन: आई सी पब्लिकेशन





DNA's Children's Day treat

6 pages
AFTER
irs
sunday

Page 8

World

sunday Obama kowtows to China

PUBLISHED FROM AHMEDABAD, SURAT, MUMBAI, PUNE, JAIPUR & BANGALORE

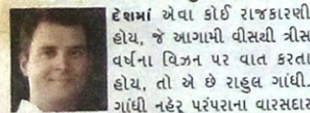
mission
Bharat Nirman
for Quality Life

તમારો સંકલ્પ ભારત નિર્માણ કરી શકે છે !
ઈરાદો મજબૂત હોય તો કંઈ પણ હાંસલ કરી શકાય છે. નૂતનવર્ષે કંઈક નવું નિર્માણ કરવાનો સંકલ્પ કરીએ... Change India Change

Bharat Nirman for Quality Life

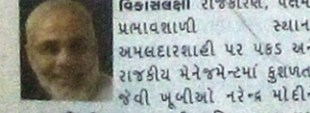
ભારત નિર્માણના શિલ્પીઓ : ભારતને પ્રગતિના સુપર એક્સપ્રેસ વે પર દોડવું કરવા માટે મથી રહેલા શિલ્પીઓની વાતો, જે આવનારા સમયમાં ભારતની પ્રજા અનુભવશે. ભારતને સુપર પાવર બનાવવું હોય તો શું કરવું જોઈએ ? એક સાચા ભારતીય તરીકે આપણે શું કરી શકીએ ? અધિષ્ઠાએ કહ્યું છે, દરેક વ્યક્તિ પોતાનું કામ પૂરેપૂરી નિષ્ઠાથી કરે, તો એ એક પ્રકારની દેશ સેવા જ છે. અહીં કેટલાંક એવા જ લોકોની પસંદગી કરી છે, જેઓ પોતપોતાના ક્ષેત્રમાં શ્રેષ્ઠ પ્રદાન કરીને દેશને વધુ ઊંચે લઈ જવા પ્રયત્નશીલ છે. ભારત નિર્માણમાં રત આ વ્યક્તિત્વો પાસેથી આગામી દાયકામાં દેશને ઘણી આશાઓ છે.

ભવિષ્યની ઊજવી આશા : રાહુલ ગાંધી



દેશમાં એવા કોઈ રાજકારણી હોય, જે આગામી વીસથી ત્રીસ વર્ષના વિજન પર વાત કરતા હોય, તો એ છે રાહુલ ગાંધી. ગાંધી નહેરુ પરંપરાના વારસદાર રાહુલના સાર્વજનિક ભાષણમાં નહીં, પણ તેમની સાથેની અંગત ચર્ચામાં તેમની દૂરદર્શિ ઊંડીને આંખે વળગે. તેમનું આ વિજન હવાઈ કિલ્લા નહીં, બલકે વાસ્તવિકતા પર આધારિત છે. ગામેગામ જઈને તેઓ લોકોને મળે છે અને તેમની સમસ્યાઓ સમજે છે. તેમને લાગ્યું કે ગ્રામ્ય યુવાનોને ભારત નિર્માણમાં સામેલ કરવા માટે સ્વરોજગાર આપવું પડશે. એટલે જ તેઓ લેવે ઈન્ફ્રાસ્ટ્રક્ચર ટ્રેનિંગ ઈન્સ્ટિટ્યૂટને સમયની માગ પ્રમાણે આધુનિક બનાવીને ગામેગામ લઈ જવા પ્રયાસરત છે. પક્ષમાં લોકશાહી માણવું સુદઘ બનાવવામાં પણ તેઓ સક્રિય છે. તેમણે ઘણા યુવાનોને પક્ષમાં લાવીને સક્રિય રાજકારણ સાચું જોડયા છે. આગામી પાંચથી દસ વર્ષમાં તેમની પાસે દેશ માટે સમર્પિત યુવાનોની એક શેઠ હશે. તેમની દઢ ઈચ્છાશક્તિનું જ પરિણામ છે કે જમ્મુ કાશ્મીરનું સુકાન ઓમર અબ્દુલ્લાને સોંપ્યું અને જનાકોશ પારખીને વિલાસરાવ દેશમુખને સત્તા પરથી દૂર કરવાની શિમાયત કરી. આગામી વર્ષમાં દેશમાં તેમની મહત્વની ભૂમિકા વિશે બેધન નથી.

નવા ભારતની દિશામાં પ્રયાણ : મોદી



વિકાસલક્ષી રાજકારણ, પક્ષમાં પ્રમાવશાષી સ્થાન, અમલદારશાહી પર પડકાર અને રાજકીય મેનેજમેન્ટમાં કુશળતા જેવી બૃહદાંત નરેન્દ્ર મોદીને ભારત નિર્માણમાં મહત્વની ભૂમિકા ભજવવારા રાજકારણીઓની અગ્રીમ હરોળમાં મૂકી શકાય. તેમની પાસેથી આગામી વર્ષોમાં રાષ્ટ્રીય રાજકારણ અને ઓલોગિક તથા ગ્રામ્ય વિકાસ બંને મોરચે નક્કર કામ કરવાની અપેક્ષા છે, જેનું જ્વલંત ઉદાહરણ સમય ગુજરાત રાજ્ય છે. 2001માં

તેમણે શાસનધૂરા સંભાળી ત્યારે તેમને એક સામાન્ય રાજકીય કાર્યકર્તા માનનારા ખોટા પડયા અને તેઓ બાહોશ તથા આર્થદષ્ટા રાજકીય નેતા તરીકે ઉભરી આવ્યા. રાજ્યમાં વિદેશી મૂડીરોકાણ કે સિંચાઈ યોજના હોય, તેમણે બધા ક્ષેત્રોમાં ગુજરાતને વિકાસના એક્સપ્રેસ હાઈવે પર મૂકી આપ્યું. રાજ્યની જીવાદોરી સમાન બની ચૂકેલી સરદાર સરોવર યોજનાને કારણે રાજ્યના 15 જિલ્લાઓમાં સિંચાઈને પુનઃજીવન મળ્યું. આજે નવ હજારથી પણ વધુ ગામો તથા અન્ય ઉદ્યોગોને તેનું પાણી મળી રહ્યું છે. બીજી બાજુ દેશી વિદેશી રોકાણકારોને તેઓ રાજ્યમાં લઈ આવ્યા. પક્ષના નેતૃત્વમાં મોદીની ઉપેક્ષા શક્ય નથી. તેમની ત્રિવિધ શક્તિઓ દેશને નવી ઉંચાઈએ બક્ષશે. ગુજરાતના મુખ્ય મંત્રી નરેન્દ્ર મોદી વધુને વધુ વિદેશી મૂડી રોકાણ લાવીને ભારતને આર્થિક સુપરપાવર બનાવશે.

આધુનિક ભારતના આર્થિકટક : મુકેશ અંબાણી



1981માં રિલાયન્સ કંપનીમાં કામની શરૂઆત કરી. પ્રારંભમાં તેમણે નવા જમાના અનુસાર કાપડની બનાવટમાં પોલિસ્ટર શાયબર અને પેટ્રોકેમિકલ જેવી નવી ટેકનોલોજી તરફ ડગ માંડયા. લગભગ 1600 અબજ રૂપિયાની રિલાયન્સ ઈન્ડસ્ટ્રીઝના ચેરમેન મુકેશ અંબાણીને વિશ્વસ્તરીય પરિચોજનાઓ વિકસનજંક સમઘણામાં મૂકી કરવામાં જાવ છે. તેમની કંપની તેલ અને ગેસથી માંડીને સિન્થેટીક શાયબર, SEZથી માંડીને રિટલ સુધી કામ કરે છે. તેઓ મેન્ચુફેક્ચરિંગના ક્ષેત્રે ભારતને સૌથીથી આગળ લઈ જવા માંગે છે. તેમનું લક્ષ્ય અંતરિયાળ વિસ્તારોમાં છૂટાભણાયા લઘુ કારખાનાઓને એકત્ર કરવાનું છે. ચોરવાડથી શરૂ થયેલી સ્વપ્નલક્ષી વીરુમાઈ અંબાણીની વિકાસયાત્રાને મુકેશભાઈ આગળ ધપાવી રહ્યા છે. માત્ર ગુજરાત નહિ, ભારતને સુપર પાવર બનાવવા માટે આ સુપર પ્રિસેન્ટમેન્ટ વ્યસ્ત છે.

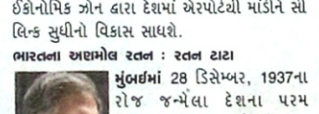
વિકાસની હરણમણ : અનિલ અંબાણી



અનિલ અંબાણીએ ભારતીય મૂડી બજારમાં નિતનવા અપ્રતરક થયાં છે. તેમણે રોકાણકારોનો વિરાટ વર્ગ ઊભો કર્યો છે. તેમના જૂથની માર્કેટ વેલ્યુ હાલમાં ૩,૨૫,૦૦૦ કરોડ રૂપિયા અને નેટવર્ક ૬૫,૦૦૦ કરોડ રૂપિયા છે.

અનિલ અંબાણી બજારમાંથી મૂડી ભંડોળ ભેગુ કરવાની હથોટી ધરાવે છે. રિલાયન્સ પાવરનો આઈપીઓ ભારતીય મૂડી બજારની સફળતાની ગણા છે. અનિલ અંબાણીએ ભારતમાં મોબાઈલને સાવ સસ્તો બનાવી દીધો. એટલે મોબાઈલ બજારમાં દર મહિને એક કરોડ નવા ગ્રાહકો જોડાય છે. મનોરંજન ક્ષેત્રે તેઓ એડલેન્સ પર કબજો જમાવી ચૂક્યા છે. હોલિવુડના પ્રસિદ્ધ ફિલ્મ મેકર સ્ટીવન સ્પીલબર્ગ સાથે ફિલ્મ બનાવવા માટે 8250 લાખ ડોલરનો કરાર કર્યો છે. 50 વર્ષની વયે દરરોજ 18 કિલોમીટર દોડે છે. તેઓ ભારતના ઔદ્યોગિક ક્ષેત્રે મોટી છલાંગ ભરવાના છે. રિલાયન્સ પાવર 13 વીજ પ્રોજેક્ટ્સ દ્વારા દેશમાં 28,200 મેગાવોટ વીજ ઉત્પાદન કરશે. અનિલ અંબાણીની રિલાયન્સ હેલ્થ આગામી દાયકામાં ભારતીય હેલ્થકેરમાં ક્રાંતિકારી પરિવર્તનો લાવશે. અનિલ અંબાણી માર્ગ, શહેરી વિકાસ અને સ્પેશિયલ ઈન્ફ્રાસ્ટ્રક્ચર ઝોન દ્વારા દેશમાં એરપોર્ટથી માંડીને સી ઈન્ફ્રાસ્ટ્રક્ચરનો વિકાસ સાધશે.

ભારતના આશામોલ રતન : રતન ટાટા



મુંબઈમાં 28 ડિસેમ્બર, 1937ના રોજ જન્મેલા દેશના પરમ આદરણીય ઉદ્યોગપતિઓમાંના એક રતન ટાટા છે. તેઓ વિશ્વસનીયતા અને ભુલંદ ઈરાદાઓનું જીવંત ઉદાહરણ છે. આગામી વર્ષોમાં ભારતના ઔદ્યોગિક વિકાસની જવાબદારી જે કેટલાંક મજબૂત ખના પર છે તેમ રતન ટાટા પણ સામેલ છે. પ્રગતિની સાચોસાચ નીમિત્તાત અને ઉચ્ચ મૂલ્યોની બાબતમાં પણ તેઓ ઉદાહરણરૂપ છે. ટાટાએ વિશ્વની સૌથી સસ્તી કાર 'નેનો' માર્કેટમાં લોન્ચ કરીને સાબિત કરી બતાવ્યું કે તેઓ જે વચન આપે છે તેને કોઈ પણ સંજોગોમાં નિભાવી જાણે છે. પર્યાવરણની જાળવણી સાથે ટકાઉ વિકાસના મુદ્દે પણ ટાટા કંપની સજાગ છે. ગુજરાતમાં નેનો વાહન લાવીને રતન ટાટા ગુજરાતીઓમાં છવાઈ ગયા.

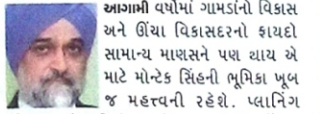
વિકાસની પેડાંની ધરીરૂપ વ્યક્તિ : ઈ શ્રીધર



આપણો ભારત દેશ આધુનિકતા અને વિકાસની દિશામાં હરણશાપ ભરી રહ્યો છે. આગામી વર્ષોમાં દેશની પ્રગતિનો રથ ઈ શ્રીધરના નામના પેડાના જોરે આગળ વધવાનો છે. ઈ શ્રીધરને ટૂંકા સમયગાળામાં દિલ્લી

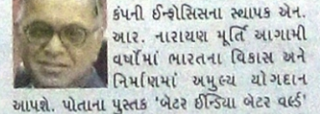
મેટ્રોનું નિર્માણ કાર્ય ભારે કુશળતાપૂર્વક પાર પાડ્યું હતું. દિલ્લીમાં કોમનવેલ્થ ગેમ્સની તૈયારી જોરશોરથી ચાલી રહી છે ત્યારે મુંબઈની લોકલ ટ્રેનની માફક દિલ્લીમાં મેટ્રો પણ શહેરની જીવાદોરી બનાવવાની છે. વધતા જતા વસ્તીવધારાને કારણે અને જાહેર વાહનવ્યવહારને વધુ સરળ બનાવવા માટે દિલ્લી પછી ભારતના અન્ય શહેરોમાં મેટ્રો સેવાની શરૂઆત ચવાની છે. તેમાં ઈ શ્રીધરની બુદ્ધિ પ્રતિભા, યોજના અને કાર્ય પદ્ધતિ જ મુખ્ય નિર્ણાયક સાબિત થશે. તેમની કાર્યપદ્ધતિની સૌથી મોટી વિશેષતા એ છે કે નિશ્ચિત યોજના અંતર્ગત નક્કી કરેલા સમયગાળામાં કામ સફળતાપૂર્વક પાર પાડવું. ભારતમાં ટ્રાંસિફોર્મ સમસ્યા ઉકેલાશે તો ઈ શ્રીધરનું નામ લોકો યાદ રાખશે.

સાક્ષત યોજના : મોન્ટેક સિંઘ આહલુવાલિયા



આગામી વર્ષોમાં ગામડાંનો વિકાસ અને ઊંચા વિકાસદરનો કાયદો સામાન્ય માણસને પણ રાણ એ માટે મોન્ટેક સિંહની ભૂમિકા ખૂબ જ મહત્વની રહેશે. પ્લાનિંગ કમિશનના ડેપ્યુટી ચેરમેનની ક્ષમા તેમને સોંપવા પાછળનું મુખ્ય કારણ પણ આ જ છે. ગામડાંના વિકાસ અને રોજગારની યોજનાઓ માટે સરકાર મોટી રકમ ફાળવે છે, તેને અસરકારક રીતે અમલમાં મૂકવા માટેની મહત્વની જવાબદારી મોન્ટેક સિંહના સિરે છે. ભારતને આર્થિક ઉદારીકરણના માર્ગ દોરવામાં આહલુવાલિયાએ મુખ્ય ભાગ ભજવ્યો છે. આગામી વર્ષોમાં ભારતની આર્થિક સમૃદ્ધતા અને વિકાસમાં આહલુવાલિયાએ અપનાવેલી નીતિ ખૂબ જ શક્તિશાળી સાબિત થશે. આવતા એક દાયકામાં દેશના ગામડાં અને શહેરની કાચાવલટ કરવામાં આહલુવાલિયાની ભૂમિકા મહત્વની રહેશે. મોન્ટેક સિંહના નેતૃત્વ હેઠળનું પ્લાનિંગ કમિશન સરકારને તેમનું લક્ષ્ય મેળવવામાં મદદરૂપ થઈ શકશે.

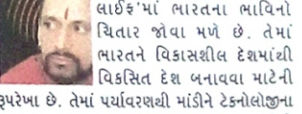
દેશનો પ્રગતિવાહી યહોરો : નારાયણ મૂર્તિ



ભારતની સૌથી મોટી આઈટી કંપની ઈન્ફોસિસના સ્થાપક એન. આર. નારાયણ મૂર્તિ આગામી વર્ષોમાં ભારતના વિકાસ અને નિર્માણમાં અમુલ્ય યોગદાન આપશે. પોતાના પુસ્તક 'બેટર ઈન્ડિયા બેટર વર્લ્ડ' માં તેમણે ઘણા નવા વિચારો રજૂ કર્યા છે. તેને અમલમાં મુકતા ભારત વિકાસના પથ પર પ્રગતિ

સાધશે. આઈટી નિષ્ણાત નારાયણ મૂર્તિના વિચારો ફક્ત આઈટીના વિકાસ સુધી મર્યાદિત નથી. તેમણે દેશની પ્રગતિ માટે ગ્રામીણ વિકાસ, બધા માટે વિકાસની સમાન તક અને ઈન્ફ્રાસ્ટ્રક્ચરના વિકાસની બાબતો પર ભાર મૂક્યો છે. યુવા પેઢી માટે તેઓ આઈટીને છે. તેમણે ચીથિલા માર્ગ પર ચાલીને બીજા ઘણા નારાયણ મૂર્તિ ઊભા પાડ્યાં. 60 વર્ષની વયે ઈન્ફોસિસના ચેરમેન પદ પરથી રાજીનામું આપીને તેમણે યુવા પેઢીને આદર્શ પૂરો પાડ્યો છે. આનાથી નવા લોકોને આગળ વધવાની અને પોતાની પ્રતિભા બતાવવાની તક મળશે. 1981માં ચાર સાથીદારો સાથે ઈન્ફોસિસ શરૂ કરનારા નારાયણ મૂર્તિ કહે છે કે, 'નવા લોકોને મોટો મળવો જોઈએ, જ્યાં સુધી કંપનીને મારી જરૂર હતી ત્યાં સુધી હું પદ પર હતો. હવે કંપનીને નવી પ્રતિભાઓની જરૂર છે.'

સ્વૌચ્છિદી લાઈફના જનક: ક્રાંતિકારી વિશ્વસંત અધિષ્ઠા



'ભારત નિર્માણ' : કોર ક્વાલિટી લાઈફ 'માં ભારતના ભાવિનો ચિતાર જોવા મળે છે. તેમાં ભારતને વિકાસશીલ દેશમાંથી વિદગ્નિત દેશ બનાવવા માટેની રૂપરેખા છે. તેમાં પર્યાવરણશી માંડીને ટેકનોલોજીના ઉપયોગ સુધીની કલ્પના કરવામાં આવી છે. દેશ કેથી રીતે પ્રગતિ સાધી શકે તેની યોજના છે. આના આધારે કહી શકાય કે રુષિજી ભારત નિર્માણમાં ખૂબ અગત્યની ભૂમિકા ભજવશે. તેઓ સામાન્ય લોકોની જિંદગીમાં ગુણવત્તાનો ચમત્કાર સર્જી શકે છે. 'ધ ક્વાલિટી લાઈફ' રુષિજીનું વિશ્વવ્યાપી આંદોલન છે, સામ તેઓ એક વિશ્વવ્યાપી પરિવાર ધરાવે છે. આંતરરાષ્ટ્રીય સમસ્યાઓના હલ માટે જાગૃતિનો શૃંગ કુંકનું રુષિજીનું આંદોલન જીવનનો સાચો મર્મ સમજાવે છે. રુષિજી આધ્યાત્મિક અભિયાન ઉપરાંત અનેકવિધ રચનાત્મક સેવાઓનું વહન કરે છે. તેઓ ક્વાલિટી લાઈફ મંત્રના જનક છે. તેમના ક્વાલિટી લાઈફ મંત્ર થકી વિશ્વભરમાં બદલાવ આવ્યો છે. તેઓ વિશ્વના રાજનૈતિક શેષીવર્ગને નિર્દેશિત કરતી અદ્યક્ષ શક્તિ છે. તેમની ક્રાંતિકારી યોજના સમખાણ ઉલાજ સાબિત થઈ શકે છે. તેઓ પોતાની વિશિષ્ટ પ્રવચન શૈલીના લીધે વિશ્વ ભરમાં સ્વયંચિત ચર્ચિત છે. તેમનું મિશન ક્વાલિટી લાઈફનો પ્રચાર પ્રસાર અને પ્રતિષ્ઠા છે. ક્વાલિટી લાઈફ અંતર્ગત તેઓ વિશ્વને સ્વચ્છ, સ્વચ્છ, સમૃદ્ધ, સુંદર, શાંત, શાકાહાર અને સુસંસ્કૃત બનાવવા માટે છે.



AFTER HRS.

Ritu salutes the Indian Army: Ritu

PAGE 1

DNA

DAILY NEWS & ANALYSIS

PUBLISHED FROM AHMEDABAD, MUMBAI, PUNE, JAIPUR & BANGALORE

SPORT

Uthappa helps RCB win, yet again

PAGE 12-13



Pages 22 Price Rs 1.50

ક્રૂમી ક્ષત્રિય મહાજાતિ પાટીદાર

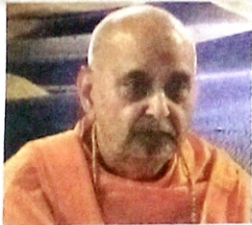
પાટીદારોએ દેશને પ્રમુખ સ્વામી અને ક્રાંતિકારી વિશ્વસંત શ્રદ્ધિજી આપ્યા

રામભવમી વિશેષ ■

દુનિયામાં પાટીદારોની વસાહતો :

ભગવાન શ્રીવ, વિષ્ણુ, રામ અને કૃષ્ણ પાટીદારોનાં આરાધ્ય દેવ છે. જ્યારે વિશ્વેશ્વરી મા ઊમા તેમના કૃપાદેવી છે. ક્રૂમી ઋષિનાં વંશજ આર્ય પુત્ર પાટીદારો વિશ્વભરમાં ફેલાયેલા છે. ગુજરાતનાં 18,000 ગામડાઓમાંની 10 ટકા ગામો જ એવાં હશે કે, જ્યાં પાટીદારોની વસાહતો ન હોય. આમ પાટીદારોએ ગુજરાતની ઘરઘીને અમુક બનાવી છે. ઘરઘી શરીરને કાચું સોનું પેદા કરનાર પાટીદારને ગુજરાતની દુનિયા નાની પડવા લાગી, આગી તેમણે દેશ પરદેશ ખેડી વિદેશોમાં વસાહતો સ્થાપી. આજે આફ્રિકા, આસ્ટ્રેલિયા, યુરોપ અને અમેરિકાનાં બધા જ દેશોમાં ગુજરાતનાં પાટીદારો વસ્યા છે. પાટીદારોનાં પગલે ગુજરાતની ભગભગ બધી જ જાતિઓ વિદેશોમાં પહોંચી ગઈ છે અને આફ્રિકા, ઓસ્ટ્રેલિયા, યુરોપ તથા અમેરિકામાં નાનાં નાનાં ગુજરાત વસાહતો છે.

શિવાજી, સિંધીયા પણ પાટીદાર : રાજીવભાઈ, રાવનહાહુર, રાવસાહેબ, રાજલલ, રાજમિત્ર, નવાબ સરદાર જેવા ખિતાબો મેળવનાર અનેક રત્નો પાટીદાર જ્ઞાતિએ દેશને ચરણે ધર્યાં છે. જ્ઞાતિભૂષણ હરિદાસ બિહારીદાસ દેસાઈ જૂનાગઢનાં દીવાનપદ પર ત્રિચુક્ર ભાયાં ત્યારે રાજ્યની આંતર દસગણી વધારી દીધી હતી. પ્રજા કલ્યાણનાં કામો પણ દિલગીરી કર્યાં હતાં. દરબાર ગોપાલદાસ ભૂલી ન શકાય તેવી પ્રતિભા હતાં. 'હન્ટર' સ્ટેટરિસ્ટિક એકાઉન્ટ ઓફ બેન્ગાલ ભાગ 11માં ઉલ્લેખ છે કે શિવાજી અને ગણવિચારનાં સિમીયા તેમજ સતારાનાં રાજાઓ ક્રૂમી વંશજોની ઊતરી આવ્યાં. ભગવાન બુદ્ધ પણ ક્રૂમી ક્ષત્રિય હતાં. ગોરખપુર અને ગુજરાતમાં પણ ક્રૂમી રાજાઓ હતાં. ભારતરત્ન સરદાર પટેલનું નામ ઊત્તરભારત સુવાઈ લખાયેલું છે. તેમના મોટાભાઈ વિક્રમભાઈ પટેલ વડી ધારાસભાનાં પ્રમુખ હતાં. ગુજરાતનાં પાટીદારોએ ભારતનાં પ્રથમ નાયબ વડાપ્રધાન અને પ્રથમ સરદાર પટેલ જેવા લોકનૈતિક પુરુષ, ત્યાગચુકત કુખખિનેન પટેલ, નર્મદા યોજનાનાં પ્રેરક ભાઈકાકા, ભારતનાં પ્રથમ નાણામંત્રી એચ એમ પટેલ



તેમજ બાબુભાઈ જસભાઈ પટેલ, શીમનભાઈ પટેલ અને કેશુભાઈ પટેલ જેવા મુખ્યમંત્રીઓ પણ આપ્યા છે. દિનજ્ઞા પટેલ જેવા કેન્દ્રીય મંત્રી તેમની સાદગી અને પ્રમાણિકતા માટે જાણીતા છે. **પાટીદાર ઉદ્યોગપતિઓ :** અમદાવાદમાં એક નાનકડા વ્યવસાયથી કારકિર્દી શરૂ કરી 'નિરમા' જેવું જબરદસ્ત સામ્રાજ્ય ઊભું કરનાર કરસનભાઈ પટેલ પાટીદાર છે. આજે 'નિરમા' ટોચનું ઔદ્યોગિક ગૃહ છે. શર્માસ્પીટલકલે સેને રોયની કંપનીઓમાં જેનું નામ છે તે ઝાંઝડસ કંડેલિનાં માલિક પંકજભાઈ પટેલ પાટીદાર છે. 'ઝાંઝડસ કંડેલિ' એક આંતરરાષ્ટ્રીય કંપની છે. બિલ ઉદ્યોગનાં પ્રણેતા અને ન્યુ શોરોક જેવી મીલો ઊભી કરનાર ઉદ્યોગપતિ મજતલાલ ગઝલદાસ પાટીદાર હતાં. તેમના નામ પરથી એમ જી સાયન્સ કલેજ ઊભી થયેલી છે. વીતેલાં જમાનામાં મીલ ઉદ્યોગનાં અગ્રણી જયદ્રુજ હરિવલ્લભદાસ પાટીદાર હતાં. પાટીદારોએ જે જાજિરાણી ઉદ્યોગપતિઓ આપ્યા તેમાં સંદેશ અખબારનાં માલિક અને તંત્રી શીમનભાઈ પટેલનું નામ અગ્રેસર છે. સતત 34 વર્ષ સુધી અમદાવાદ શેર એન્ડ સ્ટોક એક્સચેન્જનાં મંત્રી, ઉપપ્રમુખ અને પ્રમુખ તરીકે રહી શરબજારમાં ડકો વગાડનાર નંદુલાલ મંછરામ શેરદલાલ કડવા પાટીદાર હતાં. શરદાર વલ્લભભાઈ પટેલની રહ્યાં ચુંદાઈને તેમણે અમદાવાદ મ્યુનિસિપલ કોર્પોરેશનમાં વિકાસ કાર્યાં કર્યાં તથા ગુજરાતનાં વેપારી મહામંડળની સ્થાપનાનાં પ્રેરક બળ રહ્યાં. 1940માં તેમણે પારકી ખાતે પાટીદારોનું વિશાળ અધિવેશન બોલાવી તેના પ્રમુખપદે રહી અનેક કુરિયાઓ દૂર કરાવ્યાં હતાં.



પાટીદાર સહકારી નેતાઓ : દેશમાં શેતકાંતિનાં પાયો નાખનાર 'અમુલ' ડેરીનાં સ્થાપક ત્રિભોવનભાઈ પટેલ જેવા સહકારી પીઠ નેતા લેઉવા પાટીદાર સમાજે આપ્યા છે. માત્ર મહેસાણા જ નહીં, પરંતુ આખું ઉત્તર ગુજરાત જેમને આજે ભુલી શકતું નથી એવા માનસિકભાઈ પટેલે 'દૂધસાગર' ડેરી ઊભી કરી મહેસાણા જિલ્લાનાં ખેડૂતોને નવજીવન બચ્સું હતું. ચીને ભારત પર આક્રમણ કર્યું ત્યારે સૈનિકોને દૂધનો પાઉંટ મોકલવો જરૂરી હતો. પંડિત જવાહરલાલ નહેરૂની એ ઈચ્છાને માનસિકભાઈ પટેલે વિક્રમ સમયમાં પાર પાડવા એક જબરદસ્ત પ્લાન્ટ ઊભો કરી દીધો હતો. માનસિકભાઈ આંજણા પાટીદાર હતાં. સાબરકાંઠાનાં ખેડૂતોની હાલત હલકોલક હતી ત્યારે ડા. વી. કુરિયનની મદદથી 'સાબર ડેરી' ઊભી કરનાર ભોખાભાઈ ખોડીદાસ પટેલ કડવા પાટીદાર હતાં. તેઓ કુરિયનની જેમ 'ભુરિયન' તરીકે ઓળખાતા. ગુજરાત શેખર ઓફ એગ્રિકલ્ચર ઊભું કરવામાં ભોખાકાકા એક મજબુત પરિબળ હતાં. આ ત્રણેય પ્રામાણિક પાટીદાર પ્રતિભાઓનાં કારણે ગુજરાતનાં ખેડૂતોની કંપની સહકારી ડેરીઓ વિશ્વ સ્તર સુધી પહોંચી શકી છે. **પાટીદાર સંતો :** પાટીદારોએ અનેક સંતો આપ્યા છે. મહારાષ્ટ્રનાં સંત તુકારામ જ્ઞાતિએ લેઉવા પાટીદાર હતાં. તુકારામનો જન્મ ઈ.સ. 1568માં પૂના પાસે લેઉવા કાળી બાલોજીનાં ઘેર થયો હતો. કચ્છનાં સંત અબજી બાપા લેઉવા પાટીદાર પુત્ર હતાં. સદ્ગુરુ શાસ્ત્રી શ્રી ધર્મજીવનદાસ શાસ્ત્રી લેઉવા પાટીદાર હતાં. સૌરાષ્ટ્રનાં સંત ભોજા ભગત લેઉવા પાટીદાર પુત્ર

હતાં. ક્વાલિટી લાઈફનાં પ્રણેતા ક્રાંતિકારી વિશ્વસંત શ્રી ઋષિજી પણ સૌરાષ્ટ્રની પાવન ભૂમિ પર જન્મેલા લેઉવા પાટીદાર રત્ન છે. ઋષિજી વિશ્વ ધર્મ અંતર્ગત ક્વાલિટી વર્લ્ડ, ભારત નિર્માણ, સેન્જ ઈન્ડિયા જેવી મુખ્ય ચળવળો દ્વારા ક્રાંતિકારી અભિયાન ચલાવે છે. સ્વસ્થ, સ્વચ્છ, સાદા, સમૃદ્ધ, સુંદર, શાંત, શાકહાર અને સુસંસ્કૃત વિશ્વ તેમનું મુખ્ય લક્ષ્ય છે. ઉદ્યોગપતિઓ અને મીડિયા માલિકોથી લઈને દેશ વિદેશનાં રાજકીય નેતાઓ તેમની આ ચળવળને વેગ આપવા કડીબદ્ધ થયા છે. તેઓ વિશ્વના રાજનૈતિક શ્રેણી વર્ગને નિર્દેશીત કરતી અદ્યત્થ શક્તિ છે. તેમની ક્રાંતિકારી યોજના રામબાણ સાથિત થઈ છે. તેઓ પોતાની નાયાબ પ્રવચન શૈલીના લીધે વિશ્વભરમાં ચર્ચિત છે. અસર પુરુષોત્તમ સંસ્થાના વડા પ્રમુખ સ્વામી પાટીદાર પરિવારમાં જન્મેલા છે. વિશ્વભરમાં ભારતીય સંસ્કૃતિનો પ્રચાર પ્રસાર કરનાર પ્રમુખ સ્વામીએ સુંદર અને સ્વચ્છ મંદિરોનાં નિર્માણમાં સૌથી મોટું પ્રદાન આપેલ છે, જેની નોંધ ઝિનિશ બુકમાં લેવાઈ છે. મશિનગર સ્વામિનારાયણ સંસ્થાનાનાં વડા મુક્તજીવન સ્વામી બાપા પાટીદાર પરિવારમાં જન્મ્યા હતાં. મશિનગર મંદિરનાં ગાદીપતિ શ્રી પુરુષોત્તમ પ્રિયદાસજી પાટીદાર સમાજમાં જન્મેલા છે. ભુજનાં અસરજીવનદાસજી સ્વામી પાટીદાર પરિવારમાં જન્મ્યા હતાં. ગુજરાતનાં લાખો પાટીદારો સ્વામિનારાયણ સંઘદાયનાં સત્સંગીઓ છે. સાબરકાંઠાનાં શ્રી જેસિંગ બાપજી આંજણા પાટીદાર પરિવારમાં જન્મ્યા હતાં. જેમુનિ શ્રી ભુજિશાગર મહારાજનો જન્મ ઈ.સ. 1876માં કડવા પાટીદાર જ્ઞાતિમાં થયો હતો. અકમ વિજ્ઞાનનાં પ્રણેતા દાદા ભગવાન પાટીદાર હતાં. **અન્ય પાટીદારો :** પાટીદાર સમાજે પત્રાલાલ પટેલ જેવા જ્ઞાનપીઠ વિજેતા અને સર્વાંગ સમ્પત્તિધારક પણ આપ્યા છે. ઈતિહાસકારોનાં મતે મહારાષ્ટ્રમાં વસતા પાટીદારો અને દક્ષિણ ભારતનાં રેડ્ડી પણ પાટીદાર જ છે. ભારતનાં મહામહિમ રાષ્ટ્રપતિ શ્રીમતી પ્રતિભા પાટીલ પાટીદાર સમાજમાંથી જ આવે છે. ...

Mission Bharat Nirman for Quality Life

વિશ્વ સંત શ્રી ઋષિજીનાં ક્રાંતિકારી અભિયાન

કુલ નિર્માણ કરો : કુલ નવા ઇસ જાગત મેં લાઓ, તો નહીં યા | પિત્ર વાહે વિજાગત કે દ્વાગ લાઓ, વાહે સંગીત કે દ્વાગ, વાહે આધ્યાત્મિકતા કે દ્વાગ, મગર ઇસ જાગત તો સ્વચ્છ, સ્વચ્છ, સાદા, સુંદર, સમૃદ્ધ, શાંત, શાકહાર ઓર સુસંસ્કૃત બનાઓ |

જાતિઓનાં સંસ્કારનાં અગ્ર : અતિ વિશે જાતા નહીં વક્તા, વાતો વિશે જુઓ તરીકે સમજાવો, સહકાર, ઓર વાતુ વિશે રજૂ નહીં સમજાવો, સંસ્કાર કરો, તે સંસ્કારને અપને આપે સ્વચ્છ ઓર સુસંસ્કૃત બનાવો |

શ્રીમતી ઋષિજીનાં અભિયાન : જાગત કે અંધકાર તો દૂર કર કે જાગત કે પ્રકાશ પહેલને મેં તપાસે એટલેજ જાગતો ઓર પહાણો મેં વચે સવનાવો વાવો, પ્રાચીનને દૂર સંસ્કૃતિને મેં શ્રી ઋષિજીનાં કે મારાવણે મેં જાગત કે પ્રકાશ કરાવે શકે | આમને જાગત કે જ્ઞાતિ મેં સમૃદ્ધ, સ્વચ્છ, સાદા, સુંદર, સમૃદ્ધ, શાંત, શાકહાર ઓર સુસંસ્કૃત બનાવે તો ઇસ જાગત મેં ફાગ મેં સતીકાં | શ્રી ઋષિજી મેં શ્રી ઋષિજીનાં ગુજરાત મનાવી, સંસ્કૃતિનાં વૈશ્વિક સંસ્કારને પહાર કરીએ, જાતિઓનાં સંસ્કારનાં, હવે સ્વચ્છ ઓર સુસંસ્કૃત બનાવો | અમલ કરો જાગત કરો |

राजस्थान पत्रिका



वर्ष: 7 अंक: 133 www.patrika.com

पृष्ठ: 14 मूल्य: 2.75 रुपए

पेज 11 > आभिर की पेंटिंग का अनावरण

भारत और मालदीव नजदीक आए < पेज 11

भारत के 25 रसूख वालों पर एक नज़र

रसूख वालों की वर्ष 2008 की फेहरिस्त में सामिल ऊंचे और असरदार हस्तियों के कुछ छोटे मोटे ब्यौरे

नई दिल्ली, १ जनवरी [ब्यूरो]

श्री प्रमुख स्वामी [आध्यात्मिक गुरु]

भारतीय संस्कृति के ज्योतिर्धर

क्योंकि वे भारतीय आध्यात्मिकता और संस्कृति के प्रचारक हैं, क्योंकि उन्होने विश्व में सबसे ज्यादा और सबसे बड़ा मंदिर बनाने का दो रेकॉर्ड प्रस्थापित किया है, उन्हीकी वजह से विश्व में भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता सबसे ऊपर है, इस लिए सभी उनका आशीर्वाद चाहते हैं।

श्री श्री रवि शंकरजी [आध्यात्मिक गुरु]

जीने की कला

क्योंकि वे आर्ट ओफ लिविंग मंत्र के जनक हैं, उन्हे गुरुजी भी कहा जाता है, क्योंकि उनकें अनुयायी 135 देशों में फँले हैं, क्योंकि वे नई सहस्राब्दी के मनोहारी महेश योगी हैं।

श्री रामदेव महाराज [योग ऋषि]

राष्ट्रवादी संत

क्योंकि स्वस्थ विश्व उनका लक्ष्य है, इस लिए उन्हेन करेडो लोगो योगी बनाया है, क्योंकि उन्ही के प्रयास से भारतीय योग का देश-विदेशी प्रसार हुआ है, क्योंकि उन्हेन दवाईयां की छुट्टी करावा दी है, इस लिए दवाई केंमनीया उनसे खोफ खाती है, क्योंकि वे भारतीय योग ऋषि हैं।

साईबाबा [आध्यात्मिक गुरु]

बड़ों के बाबा

क्योंकि उनका नेटवर्क ऐसे पुराने नोकरशाहों और राजनीतिकों से बना है जो नौकरियों तथा दूसरे अनुग्रहों के

लिए निरंतर एक दूसरे के संपर्क में रहते हैं, क्योंकि 165 देशों में कार्यालय होने की वजह से उनका साम्राज्य भारत की पहली बहुराष्ट्रीय कंपनी है।

श्री ऋषिजी [क्रांतिकारी विश्व संत]

क्वोलिटी लाईफ के जनक

वे विश्व के रसूखवालों के आध्यात्मिक रूप से संगठित सबसे बड़े नेटवर्क के मुखिया हैं, क्योंकि वे क्वोलिटी लाईफ मंत्र के जनक हैं, उनके क्वोलिटी लाईफ मंत्र से विश्व भर में बदलाव आया है, वे विश्व के मूल्यवान ब्रांड है, क्योंकि वे सदैव गरिमा की मूर्ति हैं, वे भड़कोले लोगो के गुरु हैं, क्योंकि वे आध्यात्मिक जगत के सबसे प्रभावी स्वामी हैं, वे विश्व के राजनैतिक श्रेष्ठ वर्ग को निर्देशित करनेवाली अदृश्य शक्ति है।

बाल ठाकरे [राजनीतिक]

शहर के सूरमा

क्योंकि वे अकथ्य कहते हैं, क्योंकि वे अपनी पार्टी के मंत्रियों के साथ मुसाहिबों जैसा सुलूक करते हैं, क्योंकि वे सामूहिक रूप से शिवसेना कहे जाने वाले भड़केबाजों को नियंत्रित करते हैं, क्योंकि वे मन में आया तो समूची मुंबई को ठप कर सकते हैं।

सोनिया गांधी [राजनीतिक]

लामबंदी के माहिर

क्योंकि उनका फोन सुनने से कोई मना नहीं करता: प्रधानमंत्री हों या अमेरिकी सीनेटर या यूरोपीय देशों के साईओ, विभिन्न पार्टियों के हितों का गठजोड़ बनाने के लिए आप उन पर भरोसा कर सकते हैं, क्योंकि उनके बिना असरदारों का कोई जमावड़ा पूरा नहीं होता।

मनमोहन सिंघ (राजनीतिक)

भारत के सरताज

क्योंकि वे विश्व के सबसे बड़े लोकशाही देश के प्रधानमंत्री हैं, भारत-अमरिका अगु करार उनके शासन की सबसे बड़ी सिद्धी हैं, क्योंकि उन्हीं की आर्थिक नितो से भारतीय अर्थतंत्र आज भी मजबूत है, क्योंकि नये भारत के निर्माण की शुरुआत उन्हीं के शासन में हुई है।

लालकृष्ण अडवाणी [राजनीतिक]

राजनीति के सूरमा

क्योंकि वे भारतीय राजनीति के सूरमा हैं, सोमनाथ से अयोध्या रथयात्रा और बाबरी ध्वंश तक हमेशा वे हीरो रहे हैं, भाजपा के सभी नेता उनका आशीर्वाद चाहते हैं, क्योंकि वे प्रधानमंत्री की रस में सबसे आगे हैं।

नेन्द्र मोदी [राजनीतिक]

झंडा बरदार

क्योंकि कोई भी, जो हां कोई भी उनसे दुश्मनी नहीं मोल लेना चाहता, क्योंकि प्रशंसकों के लिए वे शरलोक होम्स हैं, तो दुश्मनों के लिए आचार्य चाणक्य, वे अपनी तीक्ष्ण बुद्धि विकास करने में लगाते हैं, क्योंकि अब वे सोनिया गांधी के 'प्राचीन वस्तुओं के तस्कर' परिवार के पीछे पड़े हैं।

सुभाषचंद्र गोलवल (मीडिया मालिक)

किस्मत के शिकारी

क्योंकि वे ऊंचे, उत्साही, हठी भारतीय उद्यमी हैं, क्योंकि वे पैकेजिंग, एम्प्युजमेंट पार्क से लेकर

उपग्रह टेलीविजन और ऑनलाईन लोटी

तक कारोबार के नए क्षेत्रों के अगुआ हैं।

समीर जैन [मीडिया मालिक]

कागज के शेर

क्योंकि उन्होंने भारत में अखबारों की परिभाषा बदल दी है, क्योंकि उन्होंने संपादकों को निरर्थक बना दिया है, क्योंकि उन्होंने द टाइम्स ऑफ इन्डिया को दुनिया का सबसे अधिक बिकने वाला अंग्रेजी दैनिक बना दिया है, क्योंकि वे दूसरे अखबार मालिकों की नींद हयाम कर देते हैं।

आर. चिदंबरम [वैज्ञानिक]

परमाणु पारखी

क्योंकि वे परमाणु बम अनुसंधान के अधिकृत सलाहकार हैं, क्योंकि वे 1998 के पोकरण परमाणु विस्फोटों के प्रमुख बम डिजाइनकार थे, क्योंकि प्रधानमंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार की अपनी नई भूमिका में वे विज्ञान संबंधी नीति को तर्जही दिलवाते थे; और यह भी बताते हैं कि इस पर पैसा कैसे खर्च किया जाना चाहिए।

अंबानी बंधु [उद्योगपति]

दो मीनारों

क्योंकि वे कोई भी काम करवा सकते हैं, क्योंकि वयावसायिक प्रतिद्वंद्वी उनसे खौफ खाते हैं, क्योंकि यह सबसे ज्यादा पैसा कमाने वाली जोड़ी है, क्योंकि उनका हर मामले में दखल है, क्योंकि नौकरशाही और राजनीति के हर स्तर तक उनकी पहुँच है, क्योंकि राजनैतिक से लेकर कारोबारी, सोशलाइट से लेकर सामाजिक तक हर प्रजाति के लोग उनके दोस्त हैं, क्योंकि उन्हें उन्के पिता का नाम विप्लव में मिला है।

रतन टाटा [उद्योगपति]

भरोसे का नाम

क्योंकि वे भारत में सबसे व्यापक और कुलीन कोर्पोरेट साम्राज्य के प्रमुख हैं, क्योंकि चाय से लेकर सूचना प्रौद्योगिकी की 70 कंपनियों वाले टाटा समूह को चलाना लघु भारत को चलाने जैसा है।

गहलु बजाज [उद्योगपति]

वेबाक आवाज

क्योंकि वे भारत के देसों उद्योग की आवाज हैं, क्योंकि वे वेबाक हैं, क्योंकि उनका बात प्रधानमंत्री कार्यालय से बोम्बे क्लब और वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम तक सुनी जाती है, क्योंकि नीति के मामले में बजाज को कर्टई पछाड़ा नहीं जा सकता।

सुब्रत राय [उद्योगपति]

अवध के नवाब

क्योंकि वे सार्वजनिक रूप से असरदार लोगों के पीछे की निजी आर्थिक शक्ति हैं, क्योंकि उनका बचत योजनाओं में करोड़ों भारतीय उनके पास अपना पैसा जमा कर रहे हैं, क्योंकि उनके पास विमान सेवा और टेलीविजन नेटवर्क से लेकर पूरा शहर बसाने की भव्य योजनाएँ हैं।

अज़ीम प्रेमजी [उद्योगपति]

कारं का खजाना

क्योंकि वे देश के सबसे धनवान व्यक्ति हैं, क्योंकि वे कंपनी प्रशासन में उच्च नैतिक मूल्यों का पालन करने वाले एक

और शख्स हैं, क्योंकि मुख्यांमंत्रि निवेश की खातिर उन्हें रिझाने के वास्ते होड़ लगाते हैं।

कुमार मंगलम बिरला [उद्योगपति]

भविष्य का भरोसा

क्योंकि वे बिरला हैं, क्योंकि वे उर्वरकों से लेकर सीमेंट तक, पारंपरिक व्यवसायों के सम्राट हैं, क्योंकि वे भारतीय कंपनी जगत के युवा और सौम्य चेहरे हैं।

सुनिल मित्तल [उद्योगपति]

दूरसंचार गिगगज

क्योंकि वे भारतीय दूरसंचार का चेहरा हैं, क्योंकि उन्होंने एक नए उद्योग को ऐसे व्यापारिक खेमें में बदल दिया जिसे दरकिनार करना नामुमकिन है, क्योंकि वे राजनैतिक रूप से सही हर नंबर डायल कर सकते हैं।

नरेश गोयल [उद्योगपति]

विमान सेवा दिग्गज

क्योंकि उन्होंने भारत को विश्वस्तरीय विमान सेवा दी और प्रतिस्पर्धा को उड़ान भरने ही नहीं दिया, क्योंकि उनमें उपजत करने की क्षमता है, क्योंकि उन्होंने अपने पैसे के खेत को किसी भी पड़ताल को ठप कर दिया।

विजय साल्वा [उद्योगपति]

सुरा सामंत

क्योंकि आप उनको पार्टियों में शरीक होना पसंद करेंगे, जब भारत के शहब स्थानीय, राष्ट्रीय, विश्व क्रिकेट संस्था में सार्वजनिक जीवन में उतरना चाहत तो

पुरी की पूरी पार्टी का ही अधिग्रहण कर लिया, क्योंकि उनके पास हर व्यक्ति के सपने के खिलाफ हैं: नौकराएं, तेज रफतार कारें, बोर्डिंग, फुटबॉल क्लब और 82 देशों में बिकने वाली बियर।

हकीम कोट्टैन्टर [वार्सुविद्यु]

सच्चे सौंदर्यशास्त्री

क्योंकि उन्होंने भारतीय क्षितिज को बदल दिया है, क्योंकि यह उनका ही प्रताप है कि भारत की गगनचुंबी इमारतें अब मोस्को के मकानों का मिला-जुला रूप नहीं लगी, क्योंकि उनका ही वजह से उस गंधीर नीरस्ता की जगह भारत में शीशे वाले टवरों ने ले ली है और नगरो को नई यूनानी शैली से आवृत कर दिया है।

अभिताभ बच्चन [अभिनेता]

नियति के नियामक

क्योंकि वे हमेशा के लिए किंवदंती हैं, क्योंकि वे चाह मुंबई हो या मध्यक्षेत्र, भारतीय सिनेमा के पर्यायवाची हैं, क्योंकि उनके एक ही टेलीविजन शो ने स्टार टीवी को पुनर्जीवित कर दिया।

सचिन तेंडुलकर [क्रिकेटर]

क्रिकेट का बादशाह

क्योंकि वे भारत के सबसे मूल्यवान ब्रांड हैं, उनके साथी खिलाड़ियों के लिए वे हैं - भगवान, क्योंकि सचिन सचिन तेंडुलकर से खिलवाड़ करने का मतलब है, भारत के साथ खिलवाड़, यकीन न हो तो माईक डेनिस से पूछिए, क्योंकि वे जिस उद्योग के दिग्गज ने जाते हैं, उसमें येनकेन प्रकारेण चोटी पर पहुँचने का रास्ता बना ही लेते हैं।





સ્વસ્થ વ સમૃદ્ધ વિશ્વ બનાવું- વિશ્વ સંત

અમદાવાદ, 18 જુલાઈ (કા.સં.)। દિ ક્વાલિટી લાઈફ કે પ્રણેતા વિશ્વ સંત ને સ્વસ્થ વ સમૃદ્ધ વિશ્વ કે નિર્માણ કી અપીલ કી હૈ। ગુરુ પૂર્ણિમા પર શુક્રવાર કો યહાં આયોજિત કાર્યક્રમ કે દૌરાન સંસ્થા સે જુડે શ્રદ્ધાલુઓં કો ઉન્હોને ઇસ સંબંધ મેં સંકલ્પ ધી દિલાયા।



વિશ્વ સંત ઋષિજી ને કહા કિ માનવીય મૂલ્યોં કે જન્મ સે હી સુદૃઢ વ સુંદર વિશ્વ કા નિર્માણ હો સકતા હૈ। ઇસકે લિષ્ટ સમાજ કે સઘી વર્ગોં કો ઇકજુટ હોકર પ્રયાસ કરને ચાહિષ્ટ। ઇસ અવસર પર શ્રદ્ધાલુઓં ને પૌધે ખેંટકર પર્યાવરણ સંરક્ષણ મેં સહભાગી હોને ઓર શાકાહાર કે પ્રચાર-પ્રસાર ઇવં ઇસે અપનાને કા સંકલ્પ ધી લિયા।

ક્વોલિટી લાઈફના પ્રણેતા વિશ્વસંત શ્રી ઋષિજીના ૩૬મા જન્મદિનની ઉજવણી

અમદાવાદ: ક્વોલિટી લાઈફના પ્રણેતા ક્રાન્તિકારી વિશ્વસંત શ્રી ઋષિજીના ૩૬મા જન્મદિનની ઉજવણી અનોખી રીતે કરવામાં આવી હતી. ૧લી જાન્યુઆરીએ જન્મદિન ઉજવણી નિમિત્તે વિશ્વભરનાં ક્વોલિટી લાઈફ સાથે સંકળાયેલા ભાઈ-બહેનોએ ક્વોલિટી વિશ્વનું સપનું સાકાર થાય તે માટે જીવનના બધા જ તબક્કામાં માનવીય મૂલ્યોનું જતન કરવાના શપથ લીધા હતા.

ક્વોલિટી લાઈફના નિર્માણ માટે વિશ્વભરમાં યુવાન વિદ્યાર્થીઓએ રાહદારીઓને વૃક્ષના રોપાઓ ભેટ આપી વૃક્ષારોપણ કરવા અને સ્વસ્થ, સ્વચ્છ, સાક્ષર અને સમૃદ્ધ વિશ્વના નિર્માણમાં સહભાગી થવા અપીલ કરી હતી. (જીટીએનએસ)

ક્વોલિટી લાઈફના પ્રણેતા ક્રાન્તિકારી વિશ્વસંત શ્રી ઋષિજીના ૩૬માં જન્મદિનની અનોખી રીતે ઉજવણી કરાઈ હતી. ૧લી જાન્યુઆરીનાં રોજ જન્મદિનની ઉજવણી નિમિત્તે વિશ્વ ધર્મ ફાઉન્ડેશન સાથે સંકળાયેલા ભાઈ-બહેનોએ ક્વોલિટી વિશ્વનું સ્વપ્ન સાકાર થાય તે માટે જીવનના બધા જ તબક્કામાં માનવીય મૂલ્યોનું જતન કરવાના શપથ લીધા હતાં. તેમજ ક્વોલિટી લાઈફના નિર્માણ માટે વિશ્વભરમાં યુવા વિદ્યાર્થીઓએ રાહદારીઓને વૃક્ષના રોપાઓ ભેટ આપી વૃક્ષારોપણ કરવા તથા સ્વચ્છ, સાક્ષર, સમૃદ્ધ, સુંદર, સુસંસ્કૃત, શાકાહાર અને શાંત વિશ્વના નિર્માણમાં સહભાગી થવા અપીલ કરી હતી.

આપલું પંચાંગ
જાન્યુઆરી ૨૦૦૮
જન્મદિન

ક્વોલિટી લાઈફનાં પ્રણેતા ક્રાન્તિકારી વિશ્વ સંત ઋષિજીનાં જન્મદિનની અનોખી રીતે ઉજવણી

અમદાવાદ: ક્વોલિટી લાઈફના પ્રણેતા ક્રાન્તિકારી વિશ્વસંત શ્રી ઋષિજીના ૩૬મા જન્મદિનની અનોખી રીતે ઉજવણી કરાઈ હતી. ૧લી જાન્યુઆરીનાં રોજ જન્મદિન ઉજવણી નિમિત્તે વિશ્વ ધર્મ ફાઉન્ડેશન સાથે સંકળાયેલા ભાઈ-બહેનોએ ક્વોલિટી વિશ્વનું સ્વપ્ન સાકાર થાય તે માટે જીવનના બધા જ તબક્કામાં માનવીય મૂલ્યોનું જતન કરવાના શપથ લીધા હતાં. ક્વોલિટી લાઈફના નિર્માણ માટે વિશ્વભરમાં યુવા વિદ્યાર્થીઓએ રાહદારીઓને વૃક્ષના રોપાઓ ભેટ આપી વૃક્ષારોપણ કરવા તથા સ્વસ્થ, સ્વચ્છ, સાક્ષર, સમૃદ્ધ, સુંદર, સુસંસ્કૃત, શાકાહાર અને શાંત વિશ્વના નિર્માણમાં સહભાગી થવા અપીલ કરી હતી.

રાજસ્થાન પત્રિકા
જન્મદિન

સ્વચ્છ સમાજ કે નિર્માણ કા સંકલ્પ

અમદાવાદ, 28 નવમ્બર। ક્વાલિટી લાઈફ કે પ્રણેતા વિશ્વ સંત ઋષિજી દ્વારા વિશ્વનાં વિશિષ્ટ કેન્દ્રોં મેં પર્યાવરણ જતન કા પિછલે દિનોં સંકલ્પ લિયા ગયા। ઇસ અવસર પર વિશ્વ ધર્મ ફાઉન્ડેશન સે જુડે લોગોં ને ક્વાલિટી વિશ્વ કા સ્વપ્ન સાકાર કરને કે લિષ્ટ માનવ મૂલ્યોં કા જતન કરને તથા ડસકી નીંવ ઓર મજબૂત બનાને કા સંકલ્પ લિયા। પર્યાવરણ સંરક્ષણ કી અપીલ કે સાથ સંસ્થા કે કાર્યકર્તાઓં ને વિશ્વભર જગહ-જગહ પૌધોં કે રોપે લોગોં કો ખેંટ કિયે વ પર્યાવરણ જતન કા સંકલ્પ લિયા। વિશ્વ સંત ઋષિજી ને સ્વચ્છ, સ્વસ્થ સાક્ષર, સમૃદ્ધ સુંદર સંસ્કૃત વ શાકાહારી વિશ્વ કે નિર્માણ મેં સહયોગી બનને કી અપીલ કી।



વિશ્વ સંત ઋષિજી

મેટ્રો

રૂ. ૧-૦૦

પાકડું રાખેલાવાદી

ભારતીય ગ્રાહકો વધુ જાગૃત

» વાંચો મેટ્રો બિઝનેસ

પાનાં ૧૬

વર્ષ: ૨૩, અંક: ૨૬૧

અમદાવાદ, બુધવાર ૯ જાન્યુઆરી, ૨૦૦૮ સંવત: ૨૦૬૪ માગશર વદ અમાસ

REGD. No. GAMC:1556

RNI Regn. No. 43590/86.

ચિંતનક ધિક્કા:

- તકલીફના સમયે સેવકની, મુશ્કેલીમાં ભાઈની, આપત્તિમાં મિત્રની તથા ગરીબાઈમાં પત્નીની પરીક્ષા થાય છે.
- ખરાબ સમય માટે બચત કરવી જરૂરી છે. એવું ન માનશો કે સારો સમય સદા રહે છે. સમય તથા ધન સદા ચંચલ રહે છે તે એક સ્થાને કદી નથી રહેતા.
- મહેનત કરવાથી ગરીબાઈ દૂર થાય છે. પૂજા-પાઠથી પાપ દૂર થાય છે.
- બહુ ભલા બનીને જીવન ન જીવવું જોઈએ. ભલા તથા સીધા માણસોને દરેક વ્યક્તિ દાબમાં રાખવાની કોશિશ કરે છે. તેની ભલાઈ તથા ઈમાનદારીને લોકો ગાંડપણ સમજે છે.
- જમીન ખોદવાથી પાણી મળે છે તેમ ગુરુની સેવા કરવાથી વિદ્યા મળે છે.
- શક્તિશાળી શત્રુ તથા શક્તિહીન મિત્રથી સદાય નુકસાન થાય છે.
- ધર્મકાર્યો કરવામાં સદા અગ્રેસર રહો. મીઠા બોલ સદા બોલો, દાન-પુણ્ય કરવાનું 'કર્તવ્ય'

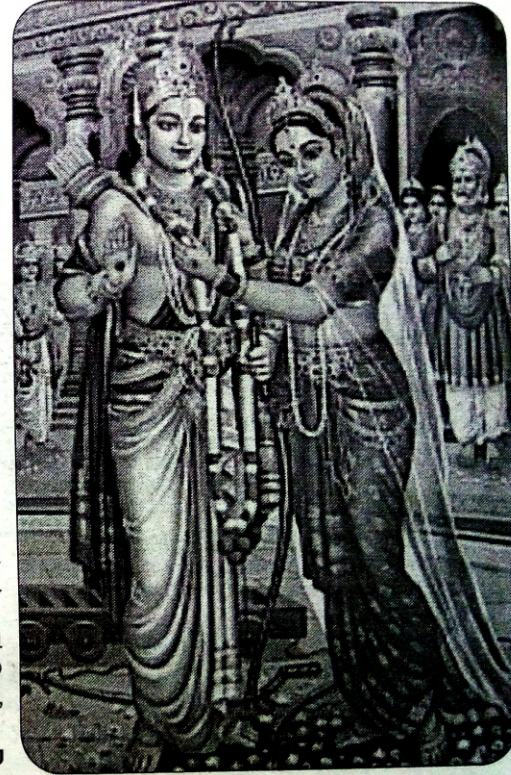
સમજો. સંતોનું સન્માન કરો તથા ઘરે આવેલા મહેમાનની સેવા કરવી. આ બધા ગુણ સદ્ગુહસ્થમાં હોવા જોઈએ.

- સોનાની પરીક્ષા ઘસીને, કાપીને, ચગદીને તથા ગરમ કરીને થઈ શકે છે. મનુષ્યની પરીક્ષા ત્યાગ, ગુણ તથા શીલના આધારે થઈ શકે છે.
- દાન આપવાથી દરિદ્રતા દૂર થાય છે. જે લોકો બીજાનું દુ:ખ દૂર કરે છે. ભગવાન તેનું દુ:ખ દૂર કરે છે. બુદ્ધિ સદા અજ્ઞાન દૂર કરે છે. બુદ્ધિમાન કદી ભૂખે નથી મરતો.
- સમુદ્ર માટે વરસાદ નકામો છે. જેનું પેટ ભરાયેલું હોય તેને માટે ઉત્તમમાં ઉત્તમ ભોજન પણ નકામું છે. સૂર્યપ્રકાશ સામે ઠીવાનું અજવાળું નકામું છે. અમીરને દાન આપવાથી કોઈ ફાયદો નથી.
- જે મનુષ્યો પરાઈ સ્ત્રીને માતા સમાન, બીજાના ધનને માટી સમાન તથા બધાં જ પ્રાણીઓને એક સરખા માને છે તે સાચો સંત છે.
- ચંદનનું ઝાડ કપાય તો પણ તેની સુગંધ નથી

છોડતું. હાથી ઘરડો થાય છતાંય ચંચળ જ રહે છે. શેરડી સંચામાં પિલાઈ થાય તો પણ પોતાની મીઠાના નથી છોડતી. સોનું આગમાં પડે છતાં પોતાની સમજ નથી છોડતું. એ જ રીતે સજ્જનોએ પોતાની સજ્જનતા ન છોડવી જોઈએ.

- પૈસાદારને એની મેળે જ મિત્રો મળે છે. પૈસા મિત્રતા જન્માવે છે. પૈસાદારના સો સંગાસંબંધી હોય છે. સાચું તો એ છે કે જેની પાસે ધન હોય છે તેને જ દુનિયા સાચો અને ઈમાનદાર સમજે છે.
- પાપ અને અત્યાચારથી કમાયેલું ધન વધુમાં વધુ ૧૦ વર્ષ ટકે છે તે પછી તે ધન આપોઆપ નષ્ટ થાય છે માટે જ પાપની કમાણીથી દૂર રહો.
- સાચો પુત્ર તે જ છે જે પુત્ર મા-બાપની આજ્ઞાનું સદા પાલન કરે છે. પિતા યોગ્ય છે જે પોતાનાં સંતાનોને યોગ્ય રીતે પાળે, પોષે, ભણાવે.

● ક્રાંતિકારી વિશ્વ સંત ઋષિજી



ગુજરાત

Gujarat Times

સપ્તાહ
વિશેષ વારાઠાગું સમૂહ, રસપ્રદ મેગેઝિન

Vol. IX No. 13 New York, July 27, 2007

\$1.00

Weekly Newspaper • Regd. as Newspaper at P.O.

સમાજ સેવા બદલ મહાનુભાવોને 'પ્રતિધ્વનિ' એવોર્ડ એનાયત

અમદાવાદ: અમદાવાદના ટાગોર હોલમાં ૨૯મી



પરિમલ નથવાણી

કિરણ પટેલ

જૂન, શુક્રવારે યોજાયેલા સમારંભમાં વિવિધ ક્ષેત્રે

યોગદાન બદલ મહાનુભાવોનું 'પ્રતિધ્વનિ મીડિયા એવોર્ડ-૨૦૦૬'થી સન્માન કરવામાં આવ્યું હતું. વલ્લભ વિધાનગરના અગ્રણી ઉદ્યોગપતિ કિરણભાઈ પટેલ (કમ્ફી ફર્નિચર)ને આણંદ જિલ્લામાં સામાજિક ક્ષેત્રે આપેલા નોંધપાત્ર યોગદાન બદલ 'પ્રતિધ્વનિ મીડિયા એવોર્ડ-૨૦૦૬'થી સન્માનિત કરાયા હતા.

આઈશ્રી પબ્લિકેશનના રાષ્ટ્રીય અને આંતરરાષ્ટ્રીય પ્રકાશન 'પ્રતિધ્વનિ'ને ૧૦ વર્ષ પૂર્ણ થતાં તેની ઉજવણીના ભાગરૂપે ગૃહરંધરાના વિવિધ ક્ષેત્રોમાં મહત્વપૂર્ણ યોગદાન કરનાર મહાનુભાવોને સન્માનિત કરવાનો આ સમારંભ યોજાયો હતો.

આ સમારંભનું ઉદ્ઘાટન કાલુપુરની ગોસ્વામી હવેલીના શ્રીમદ્ ગોસ્વામી વ્રજનાથજી મહારાજના હસ્તે થયું હતું. આ પ્રસંગે રિલાયન્સ ઇન્ડસ્ટ્રીઝના પરિમલ નથવાણી, રાજકીય ક્ષેત્રે ભાજપ પ્રદેશ પ્રમુખ પરસોત્તમ રૂપાલા, સાહિત્યક્ષેત્રે શાંતિલાલ ગાલા, ડો. કુમારપાળ દેસાઈ, નેત્રચિકિત્સાક્ષેત્રે ડો. પ્રાણનાથ નાગપાલ, નૃત્યકળાક્ષેત્રે મૃણાલિની સારાભાઈ, લોકકળાક્ષેત્રે ભીખુદાન ગઢવી, હાસ્યકળાક્ષેત્રે શાહબુદ્દીન રાઠોડ, સામાજિક ક્ષેત્રે કિરણભાઈ પટેલ, રોહિતભાઈ ઠાકોર અને ધાનગઢના ધારાસભ્ય ધનરાજ કેલ્લાનું પણ બહુમાન કરાયું હતું.

(જીટીએનએસ)